B-384
L-26
Internal Security

वामपंथी उग्रवाद

'या'

नक्सलवाद का अर्थ

वामपंथी उग्रवाद का स्वरूप →

- आर्थिक विषमता एवं शोषण के विरुद्ध भूमिहीनों द्वारा प्रारम्भ।
- कालांतर में (मुख्यतः 1990 के बाद) जनजातीय असंतोष की अभिव्यक्ति के रूप में जनजातीय क्षेत्रों में विस्तार।
- वैचारिक आधार पर हिंसक आंदोलन।
- गोरिल्ला युद्ध प्रणाली के रूप में संचालित।
- भारत के 14 राज्यों के 165 जिलों में Red Corridor निरंतर क्रियाशील (2021 में यह घटकर 70 जिलों तक सीमित)।
- 50 हजार नियमित तथा 20 हजार अतिरिक्त

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

सशस्त्र कैडर के साथ क्रियाशील।

- प्रमुख नक्सली संगठन- CPI- ML- 1967 (MCC- 1975) (PWG-1980) (Peoples liberation gorilla Army - 2000) - आदि के नेतृत्व में क्रियाशील।
- 2004 में उपरोक्त सभी संगठनों का (CPI (M) के रूप में सम्मेलन)।

प्रमुख घटनाएँ → PDF

वामपंथी उग्रवाद के दुष्परिणाम →

- जानमाल की हानि एवं भय का माहौल।
- विकास दुष्प्रभावित।
- कानून व्यवस्था की समस्या।
- अपराधियों एवं देश विरोधी शक्तियों को प्रोत्साहन।
- सामुदायिक सौहार्द्रता कमजोर।
- देश की एकता एवं अखण्डता को खतरा।

- देश की अंतर्राष्ट्रीय छवि खराब।

वामपंथी उग्रवाद के कारण →

- अन्यायपूर्ण कृषक संरचना एवं आर्थिक विषमता।
- भूमि सुधार कार्यक्रम की असफलता।
- सामंती मनोवृत्ति एवं जातिगत शोषण।
- जनजातियों में गरीबी, ऋणग्रस्तता एवं भूमि हस्तांतरण।
- विभिन्न विकास परियोजनाओं हेतु भूमि अधिग्रहण द्वारा जनजातियों का विस्थापन, इनकी वन आधारित आर्थिकी का विनाश एवं खनिज संपदा का दोहन।
- 5- वीं अनुसूची, पेसा कानून, वन अधिकार अधिनियम आदि के समुचित क्रियान्वयन की कमी।
- भ्रष्टाचार तथा प्रशासन एवं आम जनता के बीच बढ़ती दूरी।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- उपभोक्तावादी संस्कृति का विकास, महत्वाकांक्षा में वृद्धि एवं तुलनात्मक अभावबोध।
- राजनीतिक दलों एवं शहरी नक्सल की नकारात्मक भूमिका।
- विदेशी शक्तियों की भूमिका।

वामपंथी उग्रवाद के उन्मूलन हेतु किए गए प्रयास →

↓

PDF Notes.

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR